BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

भारतीय कृषि और संबद्ध क्षेत्रों का नया युग

"विकास, लचीलापन और खाद्य सुरक्षा को प्रोत्साहन"

12 अगस्त, 2026

कृषि के कायाकल्प को प्रोत्साहन

भारत के कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, जिनका पता बढ़ती उत्पादकता, मजबूत किसान सहायता प्रणालियों और अधिक लचीलेपन से चलता है। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है, जो लगभग **46.1 प्रतिशत** कार्यबल को आजीविका प्रदान करती है। पशुधन और मत्स्य पालन ने **5-6 प्रतिशत** की स्थिर वृद्धि बनाए रखी है, जिससे ग्रामीण आय में मजबूती आई है और कृषि विविधीकरण को बढ़ावा मिला है। पिछले दशक में, निरंतर नीतिगत हस्तक्षेपों ने ऋण, बीमा और बाजारों तक पहुंच में सुधार किया है और इससे डिजिटल प्रौद्योगिकियों को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी आई है। खाद्य प्रसंस्करण, सहकारी समितियों, पशुधन, डेयरी और मत्स्य पालन में बढ़ते निवेश से कृषि मूल्य शृंखला में अधिक मूल्यवर्धन, आय विविधीकरण और रोजगार सर्जन संभव हो रहा है।

कृषि अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाना

- **कृषि और संबद्ध क्षेत्र का सकल बाजार मूल्य (जीवीएसी) 2014-15 में 20.94 लाख करोड़ रुपये** से बढ़कर **2025-26** में अनुमानित **52.08 लाख करोड़ रुपये** हो जाएगा।
- कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के लिए बजट आवंटन **2013-14 में 27,663 करोड़ रुपये** से बढ़कर **2026-27 में 1,40,528.78 करोड़ रुपये** हो गया है।

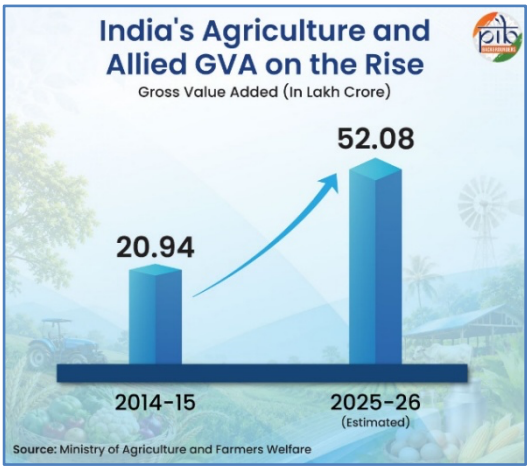

अधिक उत्पादन प्राप्त करना

- कुल अनाज उत्पादन **2013-14 में 265.05 मिलियन टन** से बढ़कर **2025-26 में 376.56 मिलियन टन हो गया (तीसरा अग्रिम अनुमान)**।
- बागवानी उत्पादन **2013-14 में 280.70 मिलियन टन** से बढ़कर **2025-26 में लगभग 377.78 मिलियन टन हो गया (द्वितीय अग्रिम अनुमान)**।
- तिलहन उत्पादन **2014-15 में 27.51 मिलियन टन** से बढ़कर **2025-26 में 43.06 मिलियन टन हो गया (तीसरा अग्रिम अनुमान)**।

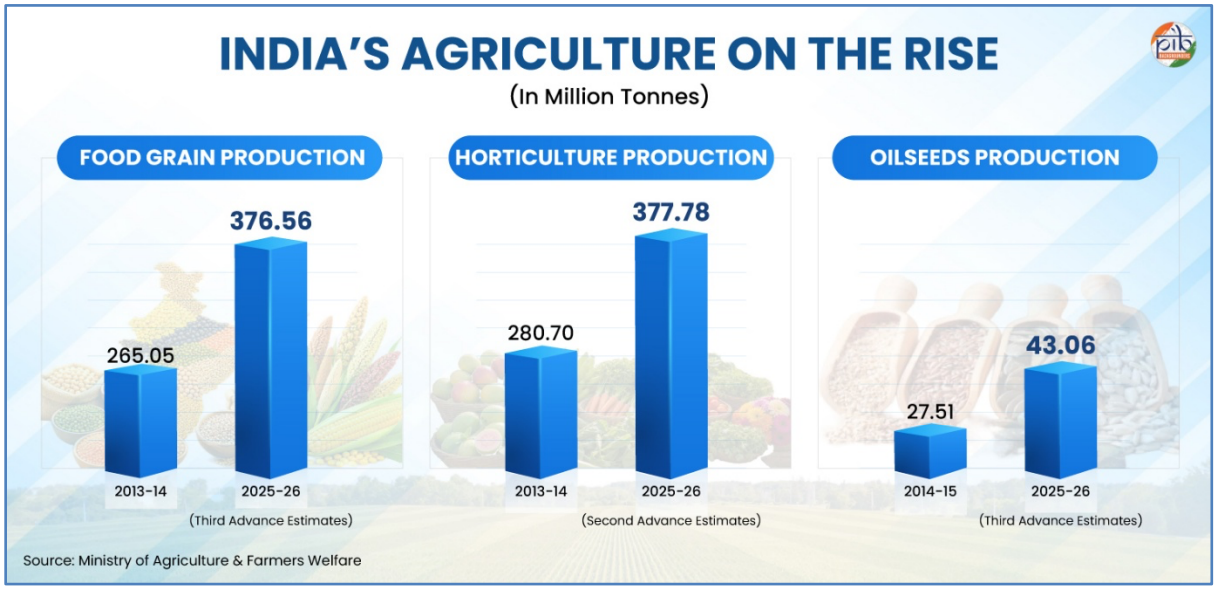

किसानों की आजीविका सुरक्षित करना

<u>प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान)</u>

- इस योजना के अंतर्गत **23 किस्तों** में किसानों के बैंक खातों में सीधे **4.47 लाख करोड़ रुपये** से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है।
- 23वीं किस्त के अंतर्गत, **9.49 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ मिला,** जिसके अंतर्गत **18,984 करोड़ रुपये** से अधिक की राशि जारी की गई।

<u>प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबाय)</u>

- 2016-17 में इसकी शुरुआत के बाद से, **92.46 करोड़** से अधिक किसानों के आवेदनों के बाद उनकी फसल का बीमा किया जा चुका है।
- दिसंबर 2025 तक **1.96 लाख करोड़ रुपये** के दावों का वितरण किया जा चुका है, जिससे लगभग **24.31 करोड़ किसानों** को लाभ हुआ है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)

- कुल खरीद **2004-2014 के दौरान 698.7 मिलियन टन** से बढ़कर **2014-2026** के दौरान **1,229.2 मिलियन टन** हो गई।
- कुल एमएसपी मूल्य 2004-2014 के दौरान **7.41 लाख करोड़ रुपये** से बढ़कर **2014-2026** (फरवरी 2026 तक) के दौरान **26.32 लाख करोड़ रुपये** हो गया।
- धान (ग्रेड ए) के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) **2014-15 में 1,400 रुपये प्रति क्विंटल** से बढ़कर **2026-27 में 2,461 रुपये प्रति क्विंटल** हो गया है।
- गेहूं का एमएसपी **2014-15 में 1,400 रुपये प्रति क्विंटल** से बढ़कर **2026-27 में 2,585 रुपये प्रति क्विंटल** हो गया।

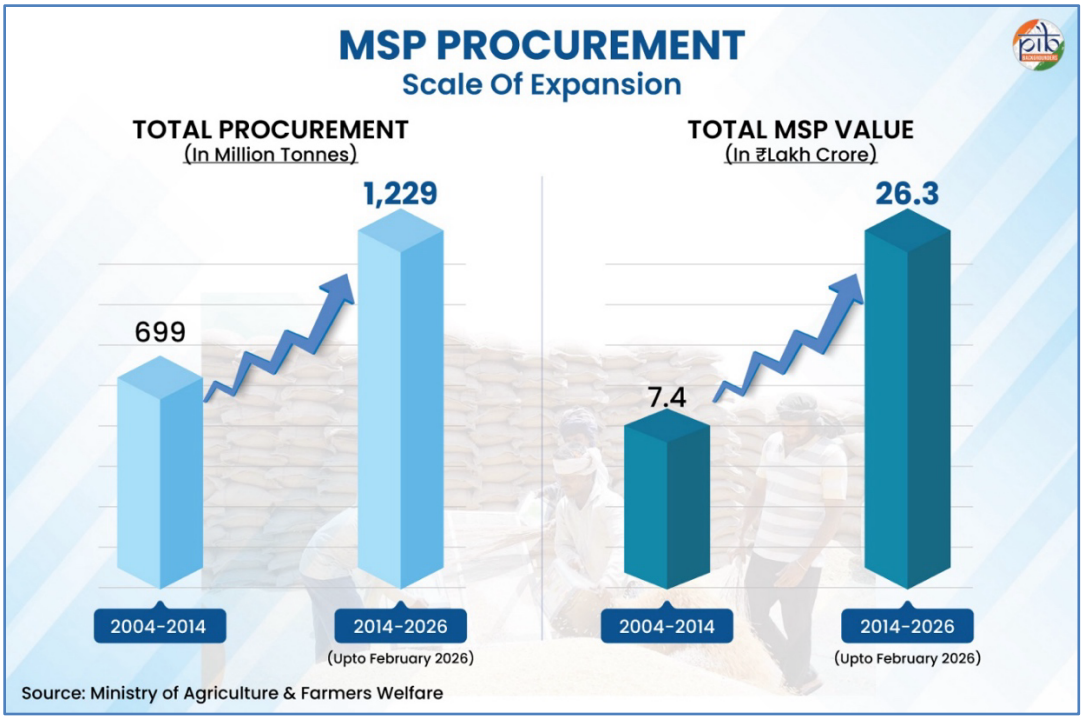

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना

3 अगस्त 2026 तक,

- देश भर में 2025-26 में **7.28 करोड़** किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खाते चालू थे।
- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के अंतर्गत बकाया राशि **10.08 लाख करोड़** रुपये थी।

प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना (पीएमकेमी)

- फरवरी 2026 तक, इस योजना के अंतर्गत लगभग **24.96 लाख किसान** पंजीकृत हो चुके हैं।

सतत कृषि की ओर

मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) योजना

- जुलाई 2026 तक **26.09 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड** जारी किए जा चुके हैं।
- इसके अतिरिक्त, **70,002 से अधिक कृषि सखियों** को मृदा स्वास्थ्य संबंधी सलाह देने और सूचित कृषि पद्धतियों का समर्थन करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई)

- इसकी स्थापना के बाद से (जून 2026 तक), **18.93 लाख हेक्टेयर** क्षेत्र को कवर किया गया है, जिससे **33.63 लाख** किसानों को लाभ हुआ है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए जैविक मूल्य शृंखला विकास मिशन (MOVCDNER)

- इसकी स्थापना के बाद से (30 जून 2026 तक) **2.36 लाख हेक्टेयर** भूमि को जैविक खेती के अंतर्गत लाया गया है, जिससे **2.74 लाख** किसानों को लाभ हुआ है।

राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन (एनएमएनएफ)

- वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, इस मिशन के अंतर्गत **10.32 लाख हेक्टेयर** क्षेत्र को कवर करने वाले और **20.93 लाख किसानों** को शामिल करने वाले **18,893** क्लस्टर गठित किए गए।
- **33.89 लाख** किसानों को प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक किया गया है।
- प्राकृतिक कृषि प्रमाणन प्रणाली (एनएफसीएस) के अंतर्गत **22.47 लाख** से अधिक किसान पंजीकृत हैं, जिनमें से **14.43 लाख** से अधिक किसानों को प्रमाणित किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम)

2 अगस्त 2025 तक,

- कृषि उपयोग के लिए लगभग **11.49 लाख ऑफ-ग्रिड सौर पंप** स्थापित किए गए हैं।
- फीडर-स्तर के सौर ऊर्जाकरण के माध्यम से **15.89 लाख** से अधिक कृषि पंपों को कवर किया गया है।
- किसानों की भूमि पर लगभग **1,726 मेगावाट** की विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई।
- देशभर में **21.77 लाख से अधिक किसानों** को लाभ मिला।

सभी के लिए भोजन सुनिश्चित करना

- फरवरी 2026 तक, **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए)** के अंतर्गत, **81.35 करोड़** लोगों को कवर करने के उद्देश्य की तुलना में, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने रियायती अनाज उपलब्ध कराने के लिए **80.56 करोड़** व्यक्तियों की पहचान की है।

- **दिसंबर 2025 तक,** देश भर में लगभग **79.8 करोड़** लाभार्थी **एनएफएसए** के अंतर्गत कवर किए गए हैं।
- केंद्र सरकार अगले 5 वर्षों में **सार्थक पीडीएस (राशन परिवहन और प्रबंधन में सहायता योजना - पीडीएस में स्वचालन के साथ आय) के तहत 25,530 करोड़ रुपये खर्च करेगी।**
- यह योजना एनएफएसए के अंतर्गत आने वाले **81.35 करोड़** व्यक्तियों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में काम करेगी।

सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से ग्रामीण संस्थानों को सशक्त बनाना

- जुलाई 2026 तक देश भर में **10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ)** का पंजीकरण हो चुका है।
- 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में **79,630 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस)** को कम्प्यूटरीकरण के लिए मंजूरी दी गई है।
- 5 अगस्त 2026 तक, **एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी)** आधारित राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर पर **63,707 पीएसीएस** को ऑनबोर्ड किया जा चुका है।

खेतों को बाजारों से जोड़ना

राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम)

- जून 2026 तक **1,656 मंडियों** का एकीकरण हो चुका है।
- ई-नाम पर **1.89 करोड़ किसान** और **2.78 लाख व्यापारी** पंजीकृत हो चुके हैं।

कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई)

- जुलाई 2026 तक, पिछले दस वर्षों में **369.18 एलएमटी** की भंडारण क्षमता वाली **12,353** भंडारण अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ)

- ब्याज सब्सिडी सहायता **18,893** गोदामों और **3,110** कोल्ड स्टोरेज /शीत शृंखला परियोजनाओं और **2,105** एकीकृत प्राथमिक और द्वितीयक प्रसंस्करण इकाइयां तक बढ़ा दी गई है।

खाद्य प्रसंस्करण सुधार

खाद्य प्रसंस्करण के लिए बढ़ी हुई वित्तीय सहायता

- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के लिए बजट आवंटन **2014-15 में 785.86 करोड़ रुपये** से बढ़कर **2026-27 में 4,064 करोड़ रुपये** हो गया है।

<u>खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई)</u>

- जून 2026 तक **3,271.44 करोड़** रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की जा चुकी है।
- इस योजना के अंतर्गत किए गए निवेशों के परिणामस्वरूप **प्रति वर्ष 34 लाख मीट्रिक टन** खाद्य प्रसंस्करण क्षमता का सर्जन हुआ है।
- पीएलआई समर्थित उत्पादों की बिक्री वित्त वर्ष 2019-20 में **58,758 करोड़ रुपये** से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में **1,08,854 करोड़ रुपये** हो गई।

<u>प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेसी)</u>

- जून 2026 तक, **1,256** परियोजनाएं (फसल कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे और प्रसंस्करण सुविधाएं) लगभग **37.76 लाख** किसानों को लाभ पहुंचाते हुए, पूरी हो चुकी हैं या चालू हैं।
- **प्रति वर्ष 294.21 लाख मीट्रिक टन** प्रसंस्करण और संरक्षण क्षमता का सर्जन हुआ, जिससे देश भर में **9.16 लाख** रोजगार के अवसर सर्जित हुए।

भारतीय कृषि को वैश्विक स्तर पर ले जाना

- एमएमकृषि निर्यात का मूल्य **2014-15 में 32.08 बिलियन अमेरिकी डॉलर** से बढ़कर **2025-26 में 54.70 बिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया, जो लगभग **70.5 प्रतिशत** की वृद्धि दर्शाता है।

- प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात का हिस्सा **2014-15 में 13.7 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 20.4 प्रतिशत हो गया जो लगभग 49 प्रतिशत** वृद्धि है।

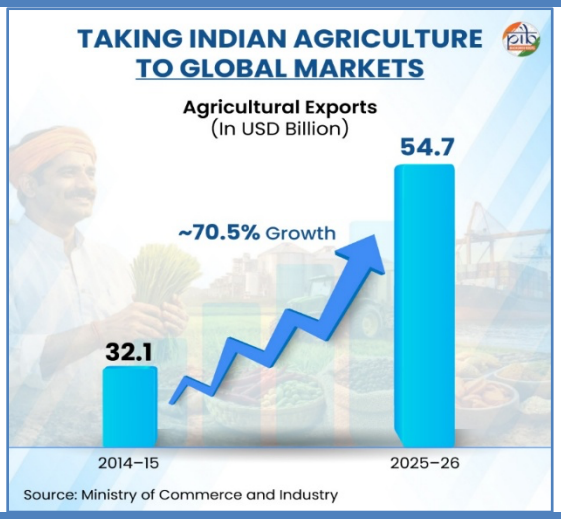

फार्मगेट पर प्रौद्योगिकी

<u>डिजिटल कृषि मिशन के अंतर्गत</u>

3 अगस्त 2026 तक

- देश भर में **10.31 करोड़** से अधिक किसान पहचान पत्र बनाए गए हैं। इसके अलावा, रबी 2025-26 के दौरान, देश भर के 648 जिलों में **31.3 करोड़ से अधिक भूखंडों** को कवर करते हुए डिजिटल फसल सर्वेक्षण (डीसीएस) आयोजित किया गया था।

एआई-सक्षम पहल:

- **राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली (एनपीएसएस)** - जुलाई 2026 तक, इस उपकरण का उपयोग **10,000 से** अधिक विस्तार कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है जो **73 फसलों और 436 कीटों** के संबंध में सहायता प्रदान कर रहे हैं।
- जुलाई 2026 तक, **भारत विस्तार** प्लेटफॉर्म ने **3 लाख** से अधिक किसानों को सेवा प्रदान की है और **72 लाख** से अधिक किसानों के प्रश्नों का समाधान किया है।

ज्ञान के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाना

कृषि विज्ञान केन्द्रस (केवीकेएस)

जून 2026 तक,

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने देश भर में **731 कृषि एवं स्वास्थ्य केंद्र (केवीके)** स्थापित किए हैं।
- 2021-22 और 2023-24 के बीच लगभग **58.02 लाख किसानों** को प्रशिक्षण दिया गया।
- 2024-25 के पहले दस महीनों के दौरान अतिरिक्त **18.56 लाख किसानों** को प्रशिक्षण दिया गया।

कृषि विविधीकरण और संबद्ध क्षेत्रों का विकास

ग्रामीण आर्थिक विकास के चालक के रूप में पशुधन और डेयरी

पशुधन क्षेत्र ने 2014-15 से **12.77 प्रतिशत** की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की है। केंद्रीय बजट 2026-27 में पशुपालन और दुधारू विभाग को **6,153.46 करोड़ रुपये** आवंटित किए गए हैं।

- **देशी और गैर-प्रमाणित मवेशियों की उत्पादकता** 2014-15 में 927 किलोग्राम प्रति पशु प्रति वर्ष से बढ़कर 2024-25 में **1,343.2 किलोग्राम प्रति पशु प्रति वर्ष** हो गई।

- **भैंसों की उत्पादकता** 2014-15 में 1880 किलोग्राम प्रति पशु प्रति वर्ष से बढ़कर 2024-25 में **2,365.2 किलोग्राम प्रति पशु प्रति वर्ष** हो गई।
- गाय के दूध की औसत उत्पादकता वर्ष 2014-15 में प्रति पशु प्रति वर्ष 1,648 किलोग्राम से बढ़कर वर्ष 2024-25 में **प्रति पशु प्रति वर्ष 2,251 किलोग्राम** तक पहुंच गई है।

दूध उत्पादन में भारत **वैश्विक स्तर पर अग्रणी स्थान** रखता है और **वैश्विक उत्पादन का लगभग 25 प्रतिशत** हिस्सा भारत का है।

- प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता **2024-25 में 485 ग्राम प्रतिदिन** तक पहुंच गई, जबकि वैश्विक औसत **394 ग्राम प्रतिदिन** है।
- दूध उत्पादन में **70 प्रतिशत** की वृद्धि हुई है, जो 2014-15 में **146.31 मिलियन टन** से बढ़कर 2024-25 में **248 मिलियन टन** हो गया है।

मुर्गी पालन और मांस उत्पादन में भी विस्तार हुआ है, और भारत **अंडा उत्पादन में विश्व स्तर पर दूसरे** और **मांस उत्पादन में चौथे** स्थान पर है।

- अंडे के उत्पादन में **90 प्रतिशत** की वृद्धि हुई है, जो 2014-15 में **78.48 अरब अंडों** से बढ़कर 2024-25 में **149.11 अरब अंडे** हो गया है।
- प्रति व्यक्ति अंडे की उपलब्धता 2014-15 में प्रति वर्ष 62 अंडों से बढ़कर 2024-25 में प्रति वर्ष 106 अंडे हो गई है।
- मांस उत्पादन 2014-15 में 6.69 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में **10.50 मिलियन टन** हो गया है।

मत्स्य पालन अवसंरचना, बाजार पहुंच और ऋण सहायता को मजबूत करना

केंद्रीय बजट 2026-27 में नीली क्रांति की पहल के अंतर्गत मत्स्य पालन के लिए रिकॉर्ड **2,761.80 करोड़ रुपये** आवंटित किए गए।

- मछली उत्पादन **2024-25** में **197.75 लाख टन तक** पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2013-14 में 95.79 लाख टन था।
- समुद्री खाद्य पदार्थों का निर्यात 2013-14 में 3.64 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2025-26 में लगभग **8.46 बिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।

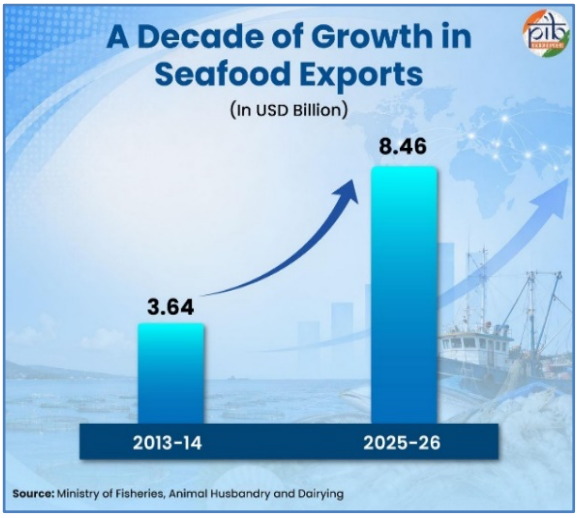

मत्स्य पालन अवसंरचना और बाजार पहुंच

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY)

- केंद्रीय बजट **2026-27** के **अंतर्गत 2,500 करोड़** रुपये आवंटित किए गए हैं।

अप्रैल 2026 तक, स्वीकृत प्रमुख गतिविधियाँ:

- **28,489** मछली परिवहन और हैंडलिंग इकाइयाँ
- **1,394** जीवित मछली बेचने वाली इकाइयाँ, **6,018** मछली कियोस्क और 117 मछली खुदरा बाजार।
- **775** शीत भंडारण और बर्फ संयंत्र, और 24 थोक मछली बाजार

मत्स्य पालन के लिए संस्थागत ऋण सहायता

- **किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी)** के अंतर्गत **6.83 लाख आवेदन** प्राप्त हुए, जिनमें से 6.77 लाख आवेदन स्वीकृत किए गए। इनमें से **4.82 लाख आवेदनों** को मंजूरी दी गई, जो 2026 की शुरुआत तक मांग को ऋण प्राप्ति में सार्थक रूप से परिवर्तित करने का संकेत देता है।
- केसीसी के लाभ **4.39 लाख** मछुआरों तक पहुंच चुके हैं। **33 लाख** लाभार्थियों को बीमा कवरेज प्रदान किया गया है। मछली पकड़ने में कमी वाले समय में औसतन **7.44 लाख** मछुआरे परिवारों को आजीविका सहायता प्राप्त हुई।

अवसंरचना और उद्यमिता के माध्यम से पशुधन को मजबूत बनाना

राष्ट्रीय पशुधन मिशन

4 अगस्त 2026 तक,

- मुर्गी पालन, भेड़, बकरी, सूअर, ऊंट, घोड़ा और गधे के लिए **4,084 नस्ल गुणन फार्मों** को मंजूरी दी गई है।
- 1.61 लाख मीट्रिक टन गुणवत्तापूर्ण चारे के बीज का उत्पादन हुआ है।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत **उद्यमिता विकास कार्यक्रम**, दिनांक के अनुसार

11 अगस्त 2026,

- **4,321 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई**, जिनकी कुल परियोजना लागत **2,948.68 करोड़ रुपये** है, जिसमें **1,386.18 करोड़ रुपये** की सब्सिडी स्वीकृत की गई है।

पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ)

- 4 अगस्त 2026 तक **प्रतिदिन 418 लाख लीटर दूध** प्रसंस्करण क्षमता और मूल्यवर्धन क्षमता वाली परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

भारत पशुधन

6 अगस्त 2026 तक,

- **9.84 करोड़** पशुपालकों का पंजीकरण हुआ, **38.53 करोड़ से अधिक** पशुओं के आधार कार्ड जारी किए गए। टीकाकरण: **168.67 करोड़**।

राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी)

जून 2026 तक,

- **36,611** नई डेयरी सहकारी समितियों का गठन किया गया है।
- **34,557** ग्राम स्तरीय डेयरी सहकारी समितियों को सुदृढ़ किया गया है।
- **प्रतिदिन 168 लाख लीटर दूध** को ठंडा करने (चिल्ड) की क्षमता विकसित की गई है।
- दूध की गुणवत्ता की जांच करने वाले **76,748** उपकरण वितरित किए जा चुके हैं।

पशुधन प्रजनन, उत्पादकता और पशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देना

- 4 अगस्त 2026 तक, ग्रामीण भारत में कुल **47,687 बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (MAITRI)** को प्रशिक्षित किया गया है, 24 आईवीएफ प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, 48 वीर्य स्टेशनों को मंजूरी दी गई है और आरजीएम के तहत 28 बछिया पालन केंद्रों को मंजूरी दी गई है।
- पिछले पांच वर्षों के दौरान, **राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम** के अंतर्गत **17.27 करोड़ से अधिक** कृत्रिम गर्भाधान किए गए हैं, जिससे लगभग **5.98 करोड़ किसानों** को लाभ हुआ है।
- **त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम**: 4 अगस्त 2026 तक, 7,959 भ्रूण स्थानांतरित किए गए, 1,666 गर्भधारण स्थापित हुए और 1,223 बछड़े पैदा हुए। इनमें से 1,142 बछड़े मादा हैं।

पशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना और जोखिम कम करना

पशुधन उत्पादकता और आय स्थिरता रोग नियंत्रण से घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई हैं।

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी)

- मार्च 2026 तक, फुट एंड माउथ डिजीज (एफएमडी) वैक्सीन की **132.49 करोड़** खुराकें दी जा चुकी हैं।
- **ब्रुसेलोसिस नियंत्रण कार्यक्रम**: मार्च 2026 तक, देश में ब्रुसेलोसिस के लिए 4-8 महीने की उम्र की **3.17 करोड़** मादा बछड़ों का टीकाकरण किया जा चुका है। पिछले पांच वर्षों में ही ब्रुसेलोसिस की रोकथाम और पशुधन स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए पात्र मादा बछड़ों को **296.74 लाख टीके** की खुराक दी गई है।

<u>मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयाँ (एमवीयू)</u>

- जुलाई 2026 तक, 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में **4,019 एमवीयू** (मैरीलैंड पशु चिकित्सालय) कार्यरत हैं, जो टोल-फ्री नंबर **1962** के माध्यम से घर-घर जाकर पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करते हैं।
- इससे **119.77 लाख किसानों** को लाभ हुआ और **245.05 लाख पशुओं का इलाज किया** गया, जिससे किसानों का आत्मविश्वास काफी बढ़ा और पशुधन क्षेत्र को व्यवहार्य उद्यम के रूप में समर्थन मिला।

संदर्भ

कैबिनेट

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2292437&reg=48&lang=1

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2265788

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

https://agriwelfare.gov.in/Documents/DAFW_AnnualReport_2025_26_En.pdf

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2237739&reg=48&lang=2

https://agriwelfare.gov.in/en/StatHortEst

https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2260618&reg=3&lang=1

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2290633&reg=48&lang=1

https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2289031&reg=48&lang=2

https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/187/AU1656_xhexVu.pdf?source=pqals

https://sansad.in/getFile/lsapps/loksabhaquestions/annex/188/AU360_kN0h0R.pdf?source=lsapps

https://sansad.in/getFile/lsapps/loksabhaquestions/annex/188/AU247_t4SFGX.pdf?source=lsapps

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2239788&reg=3&lang=1

https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2296209&reg=3&lang=1

https://icar.org.in/en/krishi-vigyan-kendras-kvks

https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/187/AS450_OAibYg.pdf?source=pqals

वित्त मंत्रालय

https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2293813&reg=6&lang=1

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

https://sansad.in/getFile/annex/270/AS119_uloKD9.pdf?source=pqars

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2210211

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2294268&reg=48&lang=2

सहकारिता मंत्रालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2291125&reg=3&lang=1

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2294906&reg=1&lang=1

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

https://agriexchange.apeda.gov.in/India/ExportAnalyticalReport/Index

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2267484

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2291793&reg=48&lang=1

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2291794&reg=48&lang=2

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2294181&reg=3&lang=1
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2247627&reg=3&lang=1
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2264535&reg=3&lang=1
htts://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2290496&reg=48&lang=1

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2291173&reg=48&lang=2https://www

.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2291173&reg=48&lang=2

https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2290431&reg=1&lang=1
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2286991&reg=48&lang=2
https://dahd.gov.in/sites/default/files/2026-04/AnnualReport2025-26.pdf
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2244326&reg=3&lang=1
https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2294737&reg=6&lang=1
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2241795&reg=6&lang=1

https://sansad.in/getFile/lsapps/loksabhaquestions/annex/188/AU2579_owNrz4.pdf?source=lsapps
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2212290&reg=48&lang=2
https://sansad.in/getFile/lsapps/loksabhaquestions/annex/188/AU2579_owNrz4.pdf?source=lsapps
Bharat Pashudhan
National Livestock Mission
AS349_IOMzfo.pdf
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2287675&reg=3&lang=1
https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2293813&reg=6&lang=1
Annual Report - 2- ch 1-3
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2213532&reg=3&lang=1

PIB Backgrounder

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2269182&reg=48&lang=1
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2288740
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2293256
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2278422&reg=3&lang=1
https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=157597&ModuleId=3&reg=3&lang=1
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2234117&reg=3&lang=1
https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2269182&reg=48&lang=1
https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2026/apr/doc202646840201.pdf

पीआईबी शोध

पीके/केसी/पीके